



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 222] नई दिल्ली, बुधवार, मई 9, 1984/वैशाख 19, 1906  
No. 222] NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 9, 1984/VAISAKHA 19, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधायी विभाग)

अभिज्ञान

नई दिल्ली, 9 मई, 1984

कार्य आ. 369(अ):—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 80 के खण्ड (3) के  
साथ पठित उस अनुच्छेद के खण्ड (1) के उपखण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए राज्य सभा के तीन, नाम निर्देशित सदस्यों को, जो 13 अप्रैल, 1984  
को उनकी कार्यधि की समाप्ति पर सेवानिवृत्त हो गए हैं, स्थानों को भरने के लिए  
तीन सदस्यों को नामनिर्देशित किया है।

अतः लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 71 के अनुअरण में राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित निम्नलिखित तीन सदस्यों के नाम सर्व-साधारण की सूचना के लिए अधिसूचित किए जाते हैं :—

1. प्रो. (श्रीमती) असीमा चटर्जी
2. श्री के. रामामूर्ति
3. श्री गुलाम रसूल कार

[फा. सं. 13(2)/84-वि. 2]

र. वेंकट सूर्य परिसास्त्री, सचिव

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 9th May, 1984

S.O. 369 (E) :—Whereas the President, in exercise of the powers conferred on him by sub-clause (a) of clause (1) of article 80 of the Constitution, read with clause (3) of that article, has nominated three members of the Council of States to fill the seats of three nominated members in that House, who retired on the 13th April, 1984 on the expiration of their term of office :

Now, therefore, in pursuance of section 71 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the names of the following three members nominated by the President, are hereby notified for general information :—

1. Prof. (Mrs.) Asima Chatterjee
2. Shri K. Ramamurthy
3. Shri Ghulam Rasool Kar

[No. F. 13 (2)/84-Leg. II]

R. V. S. PERISASTRI, Secy.